

# न्यायालय जिला कलेक्टर, बारां (राजस्थान)

पीठासीन अधिकारी—श्री रोहिताश्व सिंह तोमर आई०ए०एस०

प्रकरण संख्या— 37/2025

बउनवान

जवाहरसिंह आयु 80 वर्ष पुत्र श्री मदनसिंह जाति राजपूत, निवासी बमूलिया माताजी, तहसील अन्ता जिला बारां, राज० (अपीलांट)

बनाम

राजस्थान सरकार जयें तहसीलदार, अन्ता जिला बारां (राज०) (रेस्पोंडेंट)

अपील धारा-75 भू राजस्व अधिनियम, 1956

उपस्थिति :- 1. श्री ज्ञानप्रकाश शर्मा, अभिभाषक (अपीलांट)

2. परोकार सरकार (रेस्पोंडेंट)



निर्णय दिनांक— 12.01.2026

अपीलांट ने जयें अभिभाषक अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार, अन्ता के आदेश दिनांक 17.02.2025 से अप्रसन्न होकर अपील, धारा-75 भू राजस्व अधिनियम, 1956 के तहत इस आशय की पेश की है कि अधीनस्थ न्यायालय ने उसे ग्राम बमूलिया माताजी तहसील अन्ता की आराजी खसरा नम्बर 498 रकबा 0.24 है. किस्म गै.मु. तलाई, पर पश्चातवर्ती अतिक्रमी मानकर दिनांक 17.02.2025 को निर्णय पारित कर 288/-रूपये शास्ति आरोपित कर तीस दिवस के सिविल कारावास की सजा से दंडित किया गया है, जबकि अपीलांट का वर्तमान में उक्त आराजी पर कोई कब्जा नहीं है। अपीलांट 80 वर्ष का बुजुर्ग व्यक्ति है जो काश्तकारी कार्य करने में असमर्थ है, उसके बाद भी रेस्पोंडेंट द्वारा अपीलांट से राजनैतिक द्वेषतावश सिविल कारावास से दण्डित किया है।

अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के विपरीत होने से निरस्त योग्य है। अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय अपीलांट के विरुद्ध एकतरफा पारित किया गया है तथा अपीलांट को सुनवाई व जवाबदेही का अवसर दिये बगैर हल्का पटवारी की मिथ्या रिपोर्ट के आधार पर सजायाब किया गया है। उक्त आराजी पर रामदेव जी महाराज का मन्दिर बना हुआ है। अपीलांट उक्त मंदिर की सेवा पूजा करीब 30-40 वर्ष से करता है तथा मंदिर के आसपास की जगह साफ सफाई कर स्वच्छ रखता है। जिससे मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो जाती है। उक्त आराजी का कर्ता लगान अपीलांट हर वर्ष तहसील कार्यालय में जमा करता है। अपीलांट का किसी भी सरकारी जमीन पर कोई अतिक्रमण नहीं है ना ही ऐसी कोई साक्ष्य पत्रावली पर है। अतः अपीलांट की अपील स्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 17.02.2025 निरस्त किया जावे।

जिला कलेक्टर  
बारां (राज०)



जवाहरसिंह

इस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर रैस्पोंडेंट को जर्ये सम्मन तलब किया तथा अधीनस्थ न्यायालय का मूल अभिलेख तलब किया गया। अभिलेख प्राप्त होने पर विद्वान अभिभाषक अपीलांट व परोकार सरकार की बहस सुनी गई।

दौराने बहस अभिभाषक अपीलांट ने अपील में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि अपीलांट एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं जो खेतीबाड़ी करने में सक्षम नहीं है इसके उपरांत भी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा मात्र हल्का पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर पश्चातवर्ती अतिक्रमी मानकर सजायाब करने में गंभीर कानूनी त्रुटि की है। अतः अपील स्वीकार फरमाई जावे।

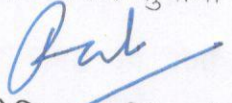
दौराने बहस परोकार सरकार ने अपील में अंकित तथ्यों का खण्डन करते हुये निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलांट को विधिवत सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर उक्त निर्णय पारित किया है। अपीलांट विवादित आराजी पर पश्चातवर्ती अतिक्रमी रहा है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांट को उक्त आराजी पर पूर्व में संवत् 2080 में भी उक्त भूमि पर अतिचार करने पर मिसल नम्बर 15/24 में पारित निर्णय दिनांक 06.02.2024 से बेदखल किया गया है। अतः अपील खारिज फरमायी जावे।

हमने बहस उभयपक्ष पर मनन किया संपूर्ण पत्रावली पर उपलब्ध रेकार्ड का आद्योपांत अवलोकन किया तथा गुणावगुण के आधार पर पाया जाता है कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलांट को विधिवत सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर उक्त निर्णय पारित किया है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांट को प्रश्नगत आराजी ख0नं0 498 रकबा 0.24 है0 किस्म गै. मु. तलाई ग्राम बमूलिया माताजी पर सम्वत् 2080 में भी अतिक्रमण करने पर मिसल नम्बर 15/24 में पारित निर्णय दिनांक 06.02.2024 से बेदखल किया जाना पत्रावली में संलग्न बयान पटवारी हल्का से प्रमाणित है। इससे स्पष्ट होता है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांट को विवादित आराजी पर पश्चातवर्ती अतिक्रमी पाये जाने पर ही सजायाब करने का आदेश पारित किया गया है। अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय में कोई विधिक त्रुटि होना नहीं पाया जाता है।

परिणामस्वरूप, अपीलांट की अपील सारहीन होने से खारिज की जाती है। अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार, अन्ता द्वारा प्रकरण संख्या 124/2025 में पारित आदेश दिनांक 17.02.2025 यथावत रखा जाता है।

निर्णय आज दिनांक 12.01.2026 को सरे इजलास लिखाया जाकर सुनाया।



  
(रोहितश्व सिंह तोमर)  
जिला कलेक्टर  
बारों (सजप)

12/1

जवाहर सिंह